SELF FINANCE COLLEGE FEDERATION

स्ववित्तपोषित महाविद्यालय संघ (पंजीकृत)

(Regd Under the Indian Trust Act 1982 of the Govt. of India & Govt. of U.P.)
Regd. in Niti Ayog (NGO Darpan) Govt. of India
Regd. Office : 36, S.D.M. Court, Tehsil Road, Opp. Gali No. 3, Sikandrabad, Distt. Bulandshahr-203205 (U.P.)

National President
Adv. Nitin Yadav

Sr. National General Secretary
Prof. (Dr.) Anand Singh

National General Secretary
Prof. (Dr.) Rajeev Gupta

Sr. National Vice President
Prof. (Dr.) Nidhi Shukla

National Vice President
Prof. (Dr.) Anil Sharma

National Secretary/Treasurer
Prof. (Dr.) Anshu Bansal

State President
Adv. R.P. Khaitan (U.P.)
Dr. R.P. Verma (Punjab)
Adv. G.R. Sharvan (Karnataka)
Naved Chopra (M.P.)
Rajesh Wankhede (MH)

Vice President (U.P.)
Prof. (Dr.) Shivpal Singh
Sharad Aggarwal
Ankur Tewatia

Secretary (U.P.)
Monika Chauhan
Dr. Ajay Kumar
Rajeev Chauhan
Dr. Anil Chandel
Mayank Aggarwal
Pradeep Yadav

Executive Board Member
Dr. Gaurav Varshney
Deepak Aggarwal
Prof. (Dr.) Harish Vaish
Dr. Shikha Kaushik
Dr. Vineeta Sharma
Vishal
Vipul Jain
Manoj Bhardwaj
Jitanshu
Manoj Bhati
Surendra Bhargav
Lalit Yadav

Ref. No:-2025/10/SFCF/127 **Date:-21-10-2025**

सेवा में,

परीक्षा नियंत्रक / वित्त अधिकारी,
चौधरी चरण सिंह विवि0, मेरठ।

विषय :– प्रयोगात्मक परीक्षाओ के पारश्रमिक और टी0ए0 – डी0ए0 बिल का भुगतान सीधे परीक्षक को विवि स्तर से कराये जाने अथवा संस्थानों को प्रयोगात्मक परीक्षा कराने के लिए अग्रिम धनराशि उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में।

महोदय,

आप कृपया अवगत हो की विवि0 द्वारा विगत कई वर्ष से स्ववित्तपोषित संस्थानों को प्रयोगात्मक परीक्षा की अग्रिम धनराशि उपलब्ध नहीं कराई जा रही है साथ ही संस्थानों द्वारा प्रयोगात्मक परीक्षा संपन्न कराकर विवि0 में भुगतान के लिए जमा की जाने वाली पत्रावलियों पर कोई कार्यवाही नहीं होने से उनके भुगतान भी वर्षो से लम्बित है। इस प्रकार की स्थिति में स्ववित्तपोषित संस्थानों में आर्थिक समस्या आये दिन सामने आ रही है।

वर्तमान शैक्षिक सत्र में आगामी समय में प्रयोगात्मक परीक्षा प्रारम्भ होगी जिसके लिए आप नामित <u>परीक्षक को प्रयोगात्मक परीक्षा पूर्ण होने के बाद सीधे विवि से उनके पारश्रमिक और टी0ए0– डी0ए0 बिल का भुगतान उनके द्वारा प्रस्तुत बिल के अनुसार सीधे उनके खाते में कराने के लिए व्यवस्था कराने का कष्ट करे, क्योकि संस्थानों को आर्थिक रूप से अक्षम करते हुए परीक्षकों के सीधे बिलो का भुगतान संस्थानों से किया जाना संभव नहीं है।</u>

हम आशा करते है इस दिशा में आप अविलम्ब यथोचित निर्णय लेते हुए आदेश निर्गत करने कष्ट करेंगे अन्यथा की स्थिति में विवि0 स्तर से सकारात्मक सहयोग नहीं मिलने की दशा में माननीय न्यायालय में प्रकरण ले जाना फेडरेशन की विवशता होगी।

आदर सहित।

प्रतिलिपि :–

1 – माननीय कुलपति, चौधरी चरण सिंह विवि0, मेरठ।

(नितिन यादव)	प्रो0 (डॉ0) निधि शुक्ला	प्रो0 (डॉ0) आनन्द सिंह
अध्यक्ष	वरिष्ठ उपाध्यक्ष	वरिष्ठ महासचिव